पाठ –5

'क्या निराश हुआ जाए'

अभ्यास – कार्य

1 गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो –

मेरा मन कभी –कभी बैठ जाता है। समाचार पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। आरोप-प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी ही नहीं रह गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जो जितने ही ऊँचे पद पर है। उसमें उतने ही अधिक दोष दिखाए जाते हैं।

1) लेखक का मन कभी-कभी बैठ जाता है।

अ) पैसे की कमी से ब) लड़ाई दंगो से

स) ठगी, चौर, डकैती, भ्रष्टाचार से द) अपनेपन से

उत्तर .....

2) आदमी में कम होती जा रही है –

अ) बेईमानी ब) धोखाधड़ी

स) सच्चाई द) ईमानदारी

उत्तर .....

3) संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है।

अ) जानवर ब) पक्षी

स) आदमी द) कोई नहीं

उत्तर .....

4) इन पंक्तियों के लेखक का नाम है।

अ) प्रदीप तिवारी ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी

स) रामदरश मिश्र द) हरिशंकर परसाई

उत्तर .....

2. दिए गए बॉक्स में अव्यवस्थित शब्द है उसे व्यवस्थित कर दूसरे बॉक्स में लिखिए –

भी ध रू र्म --

श फा प र्दा --

स घा वि त श्वा --

श शा ली क्ति --

न ई दा म री --

3. दिए गए शब्दो में से अंग्रेजी भाषा से हिन्दी में लिए गए शब्दों को छाँटकर लिखिए

रेलवे स्टेशन, द्रविड़, टिकिट, भीरू, किलोमीटर, उद्योग, कंडक्टर विचित्र, साइकिल

1) .....

2) .....

3) .....

4) .....

5) .....

4. संज्ञाओ के कुछ उदाहरण पाठ से दिए जा रहे है। उन्हें छाँटकर लिखिए -

रविन्द्र नाथ ठाकुर, मनुष्य, ईमानदारी, महात्मा गाँधी, समाचार पत्र, नौजवान, भारतवर्ष, मनुष्य, विनम्रता

	1	2	3
व्यक्तिवाचक	.....	.....	.....
जातिवाचक	.....	.....	.....
भाववाचक	.....	.....	.....

5. आकृति में दिए गए शब्दों को नीचे दिए गए शब्दों के सामने विपरीत लिंग के अनुसार लिखें।

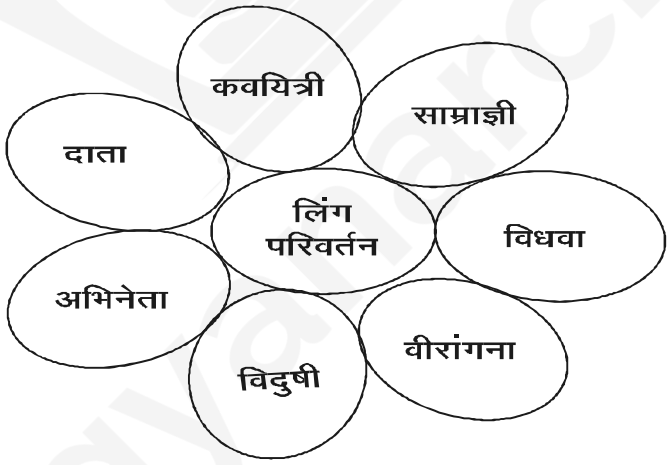

1) वीर -- .....

2) दानी -- .....

3) अभिनेत्री -- .....

4) विद्वान -- .....

5) सम्राट -- .....

6) विधुर -- .....

7) कवि -- .....